पुस्तकालय रिपोर्ट 2024-2025

प्रगति के पथ पर सतत् गति से अग्रसर होते हुए आर्य कन्या पाठशाला स्नातकोत्तर महाविद्यालय की स्थापना 12 अगस्त सन् 1966 को हुयी थी और इसी के साथ कालेज में पुस्तकालय स्थापित हुआ। सीखने, अध्ययन और शिक्षा के क्षेत्र में पुस्तकालय का स्थान सर्वोपरि है, यह अनिवार्य एवं आवश्यक साधन है। महाविद्यालय एक सामुदायिक संरचना होती है जिसका मस्तिष्क शिक्षक होता है, शरीर विद्यार्थी होते हैं और हृदय पुस्तकालय होता है। कालेज में पुस्तकालय का महत्व इसी प्रकार होता है जिस प्रकार शरीर में हृदय का होता है। महाविद्यालय का पुस्तकालय सुव्यवस्थित, चित्ताकर्षक समृद्ध है।

महाविद्यालय में शिक्षिकाओं एवं छात्राओं के लिए एक उच्च कोटि के पुस्तकालय की व्यवस्था है। पुस्तकालय की व्यवस्था का श्रेय पूर्व पुस्तकालयाध्यक्ष स्वर्गीय श्री सुभाष भट्ट जी को है जिनके अथक प्रयास एवं श्रम से पुस्तकालय प्रतिवर्ष संवृद्ध होता रहा है। पुस्तकालय में शिक्षिकाओं हेतु सुरक्षित वाचनालय कक्ष, पुस्तकालयाध्यक्ष कार्यालय, पुस्तक आदान-प्रदान काउन्टर, शोधार्थी कक्ष एवं छात्राओं के अध्ययन हेतु विशाल हॉल सभी आवश्यक सुविधाओं से परिपूर्ण है। पुस्तकालय में पुस्तकों की संख्या लगभग 23573 है। प्राचार्या जी के मार्गदर्शन में लम्बे काल के बाद इस वर्ष पुस्तकालय को और सम्पन्न करने के उद्देश्य से एनईपी के नवीन पाठ्यक्रम की पुस्तकें भी आयातित की जा गयी हैं जिसमें आज सत्र 2023-2024 तथा 2024-2025 में 117 व 419 पुस्तकें आ चुकी हैं। पुस्तकालय में निर्धन छात्राओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए बुक बैंक की व्यवस्था है, जिससे निर्धन छात्राएँ लाभान्वित होती हैं।

पुस्तकालय में छात्राओं के अध्ययन हेतु गहन अध्ययन कक्ष की स्थापना की गई है। इसमें विशेष रूप से मूल पुस्तकें, विषय से सम्बन्धित पुस्तकें, विभिन्न विषयों के पाठ्यक्रम, विभिन्न परीक्षाओं के प्रश्न पत्रों के अध्ययन की सुविधा उपलब्ध है। पुस्तकालय में ही शोधार्थी कक्ष की व्यवस्था है जहाँ पर शोधार्थी शोध सम्बन्धित कार्य कर सकते हैं। गहन अध्ययन कक्ष में बैठकर पढ़ने के लिए कुर्सी, मेज, हवा, प्रकाश इत्यादि सुविधाओं की विशेष व्यवस्था उपलब्ध है।

आज किसी भी ग्रन्थालय की सफलता का मापदण्ड उसमें संग्रहीत पाठ्य सामग्री से होकर पुस्तकालय द्वारा प्रदत्त सेवायें हैं। यही कारण है कि पुस्तकालय में पाठक को सर्वोपरि मानते हुए उसको सभी प्रकार की सुवधिाएँ प्रदान की जाती हैं। शीघ्र से शीघ्र पुस्तकें खोजने के लिए जिससे पाठक का समय बचे और उसे परेशानी ना हो, आधुनिक वर्गीकरण व सूचीकरण पद्धतियाँ अपनायी गयी हैं। महाविद्यालय की समस्त स्नातक एवं स्नातकोत्तर संस्थागत छात्राओं तथा शोधार्थियों को प्रतिदिन पुस्तकों के आदान-प्रदान हेतु महाविद्यालय में दो काउन्टरों की व्यवस्था है। उपरोक्त काउंटरों से छात्राओं के अतिरिक्त कालेज शिक्षिकाओं एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को भी पुस्तकें आदान-प्रदान की जाती हैं। पुस्तकीय आदान-प्रदान सेवा पुस्तकालय के नियमानुसार छात्राओं को पुस्तकालय कार्ड पर निर्धारित समय के लि की जाती हैं।

पुस्तकालय में पुस्तकों के अतिरिक्त पत्र-पत्रिकाओं का अपना एक विशेष महत्व होता है। छात्राओं के व्यक्तित्व विकास में पत्र-पत्रिकाओं का अपना एक स्थान होता है। आज पुस्तकालय पाठ्य सामग्री के अतिरिक्त अन्य पठनीय सामग्री जैसे पत्र-पत्रिकाएँ, समाचार पत्र, हस्तलिखित ग्रन्थ इत्यादि का संग्रह करते हैं। सूचना विस्फोट के इस आधुनिक युग में देश विदेश की नवीनतम सूचनाओं की सविस्तार पत्र-पत्रिकाओं के माध्यम से प्राप्त होती है। हमारे

मनुभार्या

पुस्तकालय में सशुल्क प्राप्त होने वाली चौदह पत्र-पत्रिकाओं को निम्न सारणी में दर्शाया गया है -

क्र.सं. मैगजीन का नाम

1. प्रतियोगिता दर्पण (हिन्दी व अंग्रेजी)
4. कुरूक्षेत्र-ग्रामीण विकास पर एक जरनल (हिन्दी व अंग्रेजी)

जरनल का नाम

1. आलोचना
2. शोध श्री
3. शोध दिशा
4. सहृदय
5. हंस
10. मीडिया विमर्श
11. योजना (हिन्दी व अंग्रेजी)
12. The Journal of Indian Literature
13. सम्भाषण संदेश

उपरोक्त के अतिरिक्त पुस्तकालय में निःशुल्क पत्र-पत्रिकाएँ भी प्राप्त होती हैं, जैसे आर्यमित्र, आर्य सन्देश, आर्यावर्त केसरी, न्यू इन्डिया समाचार, IASLIC बुलेटिन आदि।

प्रतिदिन की घटनाओं की जानकारी के लिए समाचार-पत्र आवश्यक है। समाचार पत्रों के माध्यम से विश्व के विभिन्न क्षेत्रों में हो रही गतिविधियों की सूचना शीघ्रता से प्राप्त होती रहती है। हमारे महाविद्यालय पुस्तकालय में प्रतिदिन 04 समाचार पत्र उपलब्ध होते हैं। जिनमें मुख्यतः हिन्दी समाचार पत्र के रूप में अमर उजाला, दैनिक जागरण, हिन्दुस्तान तथा अंग्रेजी में Times of India की व्यवस्था है।

महाविद्यालय पुस्तकालय अपने उद्देश्य के प्रति पूर्णतः समर्पित होकर इस कालेज की समस्त छात्राओं को न केवल पुस्तकीय सेवाएँ प्रदान कर रहा है अपितु छात्राओं में पुस्तकालय की उपयोगिता की भावना को जागृत करता हुआ निरन्तर उन्नति के मार्ग पर अग्रसर हो रहा है। महाविद्यालय की कर्मठ प्राचार्या प्रो. डिम्पल विज जी के कुशल निर्देशन में पुस्तकालय का संचालन विधिवत रूप से हो रहा है तथा पुस्तकालय नित्य प्रगति के पथ पर अग्रसर है।

मनु भार्या